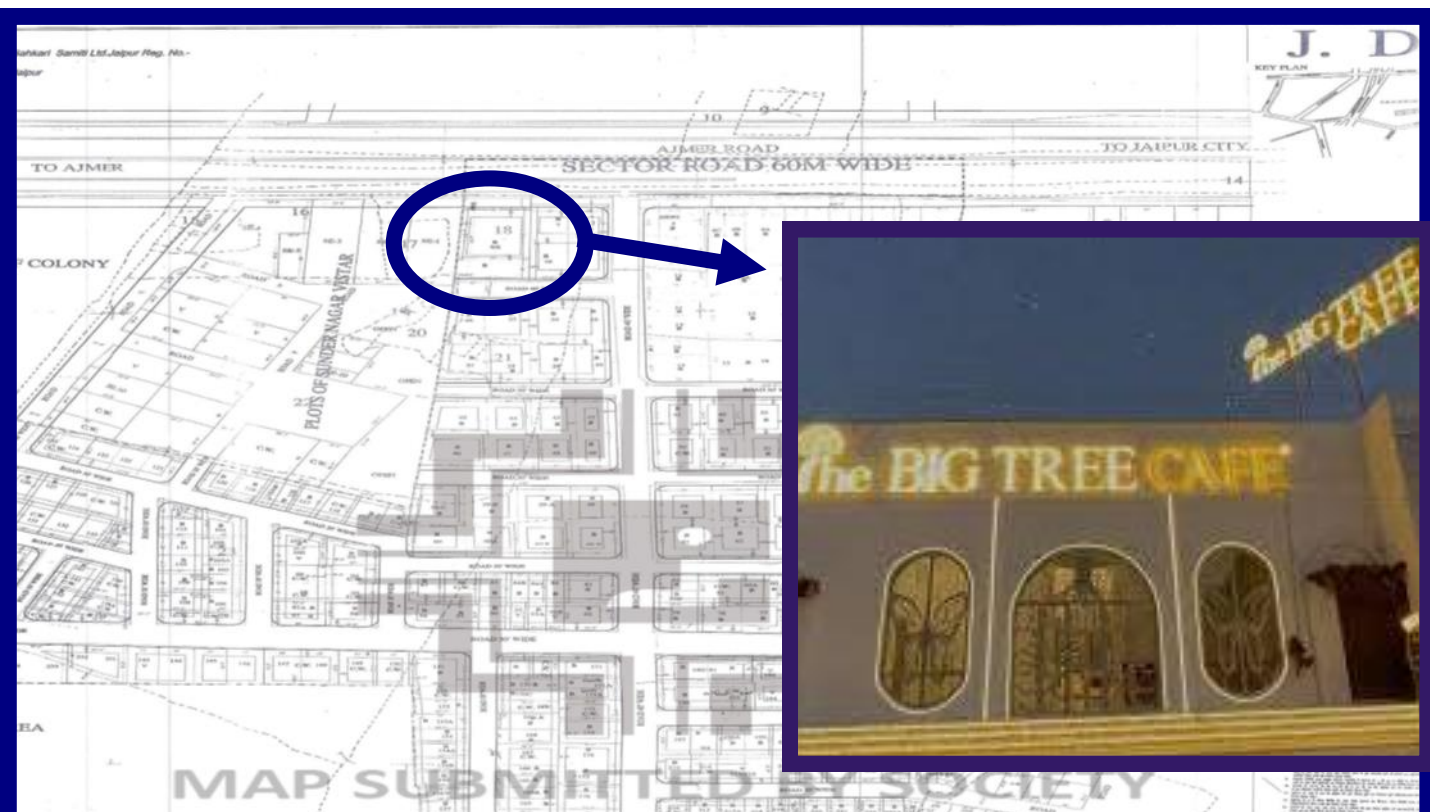


ना नक्शे पास और ना ही जेडीए से ली गई होटल और क्लब के निर्माण की अनुमति!!
बिना भू-उपयोग परिवर्तन करवाए, महज 4 महीनों में बना दिया होटल और क्लब!!
बिना पार्किंग की सुविधा के बने होटल की दर्जनों गाड़ियां
हाईवे की स्लिप लाइन में हो रही खड़ी!!
बेले पार्किंग के नाम पर NHAI की स्लिप लाइन पर कब्जा!!

पार्ट-1

जेडीए और NHAI की मॉनिटरिंग फेल!!
भ्रष्टाचार का वटवृक्ष बना!! दी बिग ट्री केफे!!

जेडीए के पीआरएन दक्षिण-प्रथम में स्थित करणी विहार कॉलोनी के आवासीय प्लॉट संख्या 8 पर बनाई गई 20 कमरों की अवैध होटल और क्लब "दी बिग ट्री केफे" का मामला!



PRN-South-1 Cooperative KARNI VIHAR-PRN (SHRI CHATRAPATHI GNSS)

Show **10** entries Search:

PlotNo	Property ID	Owner / C/o	Use	Allotment Date / Area	Possession Date / Area	LeaseHold (Patta) Date / Area	FreeHold Date / Area	Lottery	Deposit Ledger
7	5250000224	GEETA PRADHAN /RAMESH CHAND PRADHAN	Residential	05/06/1993 500.00 SQ. YARD	31/05/2016 361.11 SQ. YARD	31/05/2016 361.11 SQ. YARD			View
8	5250000093	SUDESH LEKAR /SURENDRA PRAKASH LEKAR	Residential	06/12/1995 700.00 SQ. YARD			25/05/2022 467.08 SQ. YARD		View
9A	5250001830	SUDESH LEKAR /SURENDRA PRAKASH	Residential	06/12/1995 611.30 SQ. YARD	31/08/2016 764.02 SQ. YARD	31/08/2016 764.02 SQ. YARD			View

क्या है जेडीए के पीआरएन दक्षिण-प्रथम मे स्थित करणी विहार कॉलोनी के आवासीय प्लॉट संख्या 8 पर बनाई गई 20 कमरों की होटल “दी बिगट्री केफे” का मामला?

आपको बता दें कि जेडीए के रिकॉर्ड के अनुसार,जेडीए के पीआरएन दक्षिण फर्स्ट मे स्थित 467 वर्ग गज और 764 वर्ग गज के आवासीय भूखंड 8 और 9 A सुदेश लेखर के नाम दर्ज है।लेकिन महज कुछ ही महीनों मे इन भूखंडों पर बिना अनुमति,बिना भू-उपयोग परिवर्तन करवाए,बिना नक्शे पास करवाए,बिना सेटबेक छोड़े,बिना पार्किंग व्यवस्था के 20 कमरों की अवैध होटल और क्लब का निर्माण कर, संचालन भी शुरू कर दिया गया है।शुरू मे जब इस होटल का निर्माण शुरू हुआ तो स्थानीय निवासियों को लगा कि कोई मकान बन रहा है लेकिन जैसे जैसे इस होटल के निर्माण कार्य ने अंतिम रूप लिया लोगों को समझ आ गया कि मकान की जगह बनने वाली यह होटल/क्लब उनके लिए परेशानी का सबब बनने वाली है।

बिना पार्किंग की सुविधा के बने होटल/क्लब की दर्जनों गाड़ियां, हाईवे की स्लिप लाइन में हो रही अवैध रूप से पार्क!!

सबसे बड़ी बात यह है कि यह होटल/क्लब NH 48 अजमेर दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग की स्लिप लाइन पर बनाया गया है। बिना पार्किंग के बनी इस होटल/क्लब में आने वाले आगंतुकों की बड़ी-बड़ी गाड़ियां, सड़क पर ही अवैध रूप से पार्क करवाई जाती हैं। हाँ, फर्क इतना है कि अपनी गलती को छुपाने के लिए होटल मालिक ने इसे वेले-पार्किंग का नाम दे दिया गया है।

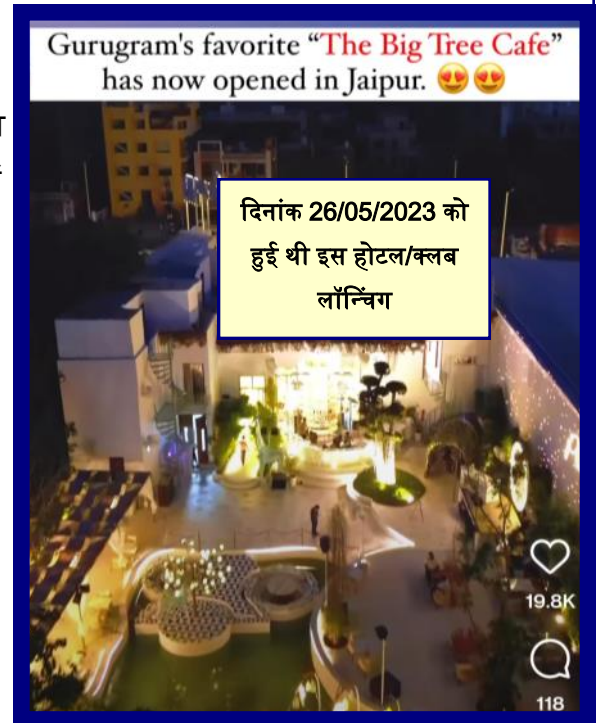
जेडीए और NHAI की मॉनिटरिंग फेल!! भ्रष्टाचार का वटवृक्ष बना!! दी बिग ट्री केफे!!

आपको बता दें कि इस होटल/क्लब के अवैध रूप से बनने और संचालन में जेडीए और NHAI की नाकामी सामने आ रही है।

एक तरफ तो जहाँ होटल मालिक द्वारा बिना अनुमति, बिना भू-उपयोग परिवर्तन करवाए, बिना नक्शे पास करवाए, बिना सेटबैक छोड़े, बिना पार्किंग व्यवस्था के होटल/क्लब बनाकर, JDA विनियमों का खुल्लम-खुल्ला उल्लंघन किया गया है। वहीं NHAI के अधीनस्थ आने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 48 की स्लीप लाइन पर भी दर्जनों गाड़ियां अवैध रूप से पार्क कर, उसे भी अतिक्रमित कर दिया गया है।

मात्र 4 महीनों में बना दिया इस होटल/क्लब को!! JDA गहरी नींद में।

इस होटल/क्लब का निर्माण इसी वर्ष फरवरी माह में चालू किया गया था और महज 4 महीने में ही इसे तैयार कर, शुरू भी कर दिया गया, इस होटल/क्लब का उद्घाटन 26 मई, 2023 को किया गया था, लेकिन इन 4 महीनों में JDA के जिम्मेदार अधिकारियों को इस अवैध निर्माण की भनक तक नहीं लगी।



जवाब मांगते सवाल?

1. क्या भवन मालिक द्वारा इस भूखंड का सक्षम स्तर से भू-उपयोग परिवर्तन करवा लिया गया है?
2. क्या भवन मालिक द्वारा इस बिल्डिंग का सक्षम स्तर से मानचित्र अनुमोदित करवा कर निर्माण करवाया जा रहा है?
3. क्या भवन मालिक द्वारा भवन विनियमों के अनुसार सैटबैक मापदंडों और पार्किंग नियमों का पालन किया जा रहा है?
4. इस होटल/क्लब में कितने कमरे हैं? होटल के पास किन किन विभागों की अनुमतियाँ/एनओसी मौजूद हैं?
5. क्या इस अवैध निर्माण के विरुद्ध आज दिनांक तक कोई शिकायत दर्ज नहीं हुई है? क्यूँ उन शिकायतों पर आज दिनांक तक कोई कार्यवाही नहीं की गयी?



4 महीने पहले की फ़ोटोज़



4 महीने बाद की फ़ोटोज़ ,स्लिप लाईन पर लगा जाम

यह आलेख www.jawabdosarkar.com पोर्टल पर प्रकाशित किया गया है। पाठको की सुविधा एवं जिम्मेदार अधिकारियों/विभागों के संज्ञान में लाने के लिए पोर्टल पर प्रकाशित पेज 4 आलेखों को पीडीएफ़ फॉर्मेट में प्रकाशित किया गया है। पोर्टल द्वारा किसी नियमित एवं निश्चित प्रसार संख्या वाले किसी समाचार पत्र/पत्रिका का प्रकाशन नहीं किया जाता है।